

# भारतीय ज्योतिष विज्ञान परिषद् (पंजी0) चेन्नई

ज्योतिष प्रवीण परीक्षा : दिसम्बर 2011

समय : 3 घण्टे

प्रश्न पत्र-1

कुल अंक : 50

कोई भी पाँच प्रश्न हल करें। प्रश्न 1 तथा 6 अनिवार्य हैं। दोनों भागों में से कम से कम एक-एक प्रश्न का चयन करते हुए तीन अन्य प्रश्नों के उत्तर दें। सब प्रश्नों के अंक समान हैं।

## भाग-I (साधारण ज्योतिष)

1. भाग्य और स्वतंत्र इच्छा शक्ति के बीच संबंध स्थापित करते हुए विवेचना करें।  
अथवा  
कर्म सिद्धान्त की विवेचना करें।
2. एक ज्योतिषी की अनिवार्य विशेषताएँ क्या हैं? देश, काल और पात्र को जानना महत्वपूर्ण क्यों है?
3. निम्नलिखित के उत्तर दें :-  
(क) वेदांग के बारे में आप क्या जानते हैं?  
(ख) ज्योतिष विज्ञान के क्या लाभ हैं?  
(ग) सूक्ष्म और स्थूल शरीर की विवेचना करें।
4. (क) नीचे दिए गए ग्रंथों के रचयिताओं के नाम लिखें।  
बृहत् संहिता, ताजिक नीलकण्ठी, भाव दीपिका, फल दीपिका, जातक पारिजात  
(ख) कौन से क्रियामान कर्म, संचित कर्म में सम्मिलित नहीं होते हैं?
5. क्या ज्योतिषशास्त्र विज्ञान है? समाज में इसके प्रति अविश्वास के क्या कारण हैं?  
अथवा  
काल निर्धारण की किन्हीं दो विधियों का वर्णन करें।

## भाग-II (ज्योतिष से सम्बन्धित खगोल शास्त्र)

6.
 

i)	खगोलिय वृत्त	vi)	संपात
ii)	सायन वर्ष	vii)	आन्तरिक ग्रह
iii)	तिथि	viii)	ग्रीनविच मीन समय
iv)	प्रकाश वर्ष	ix)	अक्षांश
v)	अंतराष्ट्रीय तिथि रेखा	x)	धूमकेतु
7. रेखाचित्र की सहायता से सूर्य ग्रहण की व्याख्या करें
8. किसी जन्म कुण्डली में सूर्य 161:25 तथा चंद्रमा 195:15 (जन्म तिथि 28 सितम्बर 1946) पर है। जन्म तिथि को सूर्योदय का समय 05:50 बजे है। इसके अनुसार दिए गए प्रश्नों का उत्तर दें :-  
(क) सूर्य का नक्षत्र तथा पद  
(ख) चंद्रमा का नक्षत्र तथा पद  
(ग) इस दिन की तिथि की गणना कर इसका नाम बतायें  
(घ) यह कौन सा पक्ष है, तर्क सहित बताएं।
9. नीचे दिए कथन असत्य क्यों हैं, व्याख्या करें।  
i) राशिचक्र में सभी ग्रह एक ही स्थान से यात्रा प्रारम्भ करते हैं, बृहस्पति इस दौड़ में अंतिम स्थान पर है।  
ii) सप्तमी को जन्मे जातक के सूर्य तथा चंद्र एक दूसरे से 180° की दूरी पर हैं।  
iii) एक दिन सूर्य 67° पर है तब शुक्र तथा बुध, सूर्य से 180° पर हैं।  
iv) राहु 209° पर है, इसके ठीक दो माह पश्चात यह ग्रहिक राशि में प्रवेश कर गया है।  
v) जब इलाहाबाद में सुबह के 05:30 बजे हैं, तब दिल्ली में सुबह के 6:00 बजते हैं।
10. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें।  
(क) क्रान्ति वृत्त और भूचक्र (ख) शर और विष्यांश  
(ग) स्थानीय समय और भारतीय मानक समय

# भारतीय ज्योतिष विज्ञान परिषद् (पंजी०) चेन्नई

ज्योतिष प्रवीण परीक्षा : दिसम्बर 2011

समय : 3 घंटे

प्रश्न पत्र-II

कुल अंक : 50

कोई भी पाँच प्रश्न हल करें। प्रश्न 1 तथा 6 अनिवार्य हैं। दोनों भागों में से कम से कम एक-एक प्रश्न का चयन करते हुए तीन अन्य प्रश्नों के उत्तर दें। सब प्रश्नों के अंक समान हैं।

## भाग-I (गणित ज्योतिष)

1. 6 अक्टूबर 2011 को 13:15 बजे, दिल्ली में जन्म लेने वाले जातक की लग्न तथा ग्रहों की स्थिति की गणना करें।
2. उपरोक्त प्रश्न क्रमांक 1 में दर्शाये गए ग्रहों के नक्षत्र पद व 1 जनवरी 2020 के लिए विंशोत्तरी दशा तथा अंतर दशा ज्ञात करें।
3. (क) घंटे, मिनट और सेकण्ड में बदलें  
i) 54 घंटी 48 विघटी ii) 26 घंटी 10 विघटी  
(ख) घंटी और विघटी में बदलें।  
i) 14 घंटे 05 मिनट 45 सेकण्ड ii) 8 घंटे 20 मिनट 36 सेकण्ड
4. जन्मतिथि 09.7.1955, समय 12:20 बजे, जन्म स्थान अमरोहा (उ.प्र.)  
राहु दशा शेष 14 वर्ष 06 माह 4 दिन

लग्न-ग्रह	राशि	डिग्री	मिनट
लग्न	कन्या	22	02
सूर्य	मिथुन	23	04
चंद्रमा	कुम्भ	09	15
मंगल	कर्क	05	25
बुध	मिथुन	02	06
बृहस्पति	कर्क	12	10
शुक्र	मिथुन	08	19
शनि(व)	तुला	21	21
राहु	धनु	03	01
केतु	मिथुन	03	01

वर्ग कुण्डली से आप क्या समझते हैं? उपरोक्त कुण्डली के लिए द्रष्ट कोण और नवांश कुण्डली बनाएं।

5. निम्नांकित पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें  
(क) भाव संधि (ख) दशम अथवा एम सी  
(ग) सायन प्रणाली (घ) युद्ध काल का संशोधन

## भाग-II (फलित ज्योतिष)

6. रिक्त स्थान भरें :-  
(अ) वृषभ लग्न के लिए ----- ग्रह योग कारक है।  
(आ) ----- लग्न के लिए वृश्चिक राशि बाधक राशि है।  
(इ) बड़े भाइयों के लिए ----- कारक भाव है।  
(ई) यदि जन्म के समय चंद्रमा का भोगांश 334° है तो ----- ग्रह दशा स्वामी होगा।  
(उ) ----- ग्रह मकर लग्न के लिए मारक ग्रह होगा है।  
(ऊ) ----- राशि, काल पुरुष के उदर को दर्शाती है।  
(ए) सातों ग्रह चार राशियों में स्थित होने पर ----- योग बनता है।  
(ऐ) ----- तथा ----- ग्रह शुक्र ग्रह के मित्र हैं।  
(ओ) ----- ग्रह शरीर में रक्त को दर्शाता है।  
(औ) सूर्य ----- (संस्थ पारिवारिक) और ----- (शरीर अंग) को दर्शाता करता है।
7. ग्रहों की विभिन्न अवस्थाओं का वर्णन करें। यह फलित में कैसे उपयोगी है?
8. बारह लग्नों के लिए शुभ तथा अशुभ ग्रहों की व्याख्या करें।
9. एक उदाहरण देते हुए विपरीत राज योग का वर्णन करें। क्या यह प्रश्न 4 में उपस्थित है?
10. धनु, कुम्भ, वृषभ तथा कर्क राशियों के लक्षणों की व्याख्या करें।

# भारतीय ज्योतिष विज्ञान परिषद् (पंजी०) चेन्नई

ज्योतिष प्रवीण परीक्षा : दिसम्बर 2011

## प्रश्न पत्र-III

समय : 3 घन्टे

कुल अंक : 50

कोई भी पाँच प्रश्न हल करें। प्रश्न 1 तथा 6 अनिवार्य हैं। दोनों भागों में से कम से कम एक-एक प्रश्न का चयन करते हुए तीन अन्य प्रश्नों के उत्तर दें। सब प्रश्नों के अंक समान हैं।

### भाग-I (ज्योतिष योग)

1. पंच महापुरुष योग उदाहरण सहित विस्तार से समझाएं।
2. निम्न का उत्तर दें :-  
(क) नीच ग्रह का परिहार कैसे होता है?  
(ग) मंगल ग्रह के मकर व कर्क राशि में स्थिति के क्या फल हैं?
3. निम्न कुण्डली का सामान्य विवेचन करें :  
पुरुष - 14.3.1965, 10:15, 78:20 पू., 29:38 उ.  
लग्न-वृषभ 12:30, सूर्य-मीन 00:01, चन्द्र-कर्क 15:55, मंगल(व)-सिंह 23:31, बुध-मीन 15:45, बृहस्पति-मेष 28:44, शुक्र-कुंभ 22:40, शनि-कुंभ 16:08, राहु-वृषभ 24:37, केतु-वृश्चिक 24:37
4. निम्न कुण्डली के आधार पर उत्तर दें :-  
महिला 4.4.1967, 6:30, पटना  
लग्न-मेष 5:53, सूर्य-मीन 20:10, चन्द्र-मकर 15:31, मंगल(व)-तुला 5:28, बुध-कुंभ 22:39, बृहस्पति-कर्क 01:19, शुक्र 24:15, शनि-मीन 10:27, राहु-मेष 13:46, केतु-तुला 13:46  
(क) इस कुण्डली में कौन-कौन से योग हैं व उनके क्या फल हैं?  
(ख) इस कुण्डली के सप्तम भाव पर अपना मत दें।
5. निम्न का उत्तर दें :-  
i) वर्गोत्तम ii) षोडश वर्ग iii) योगकारक iv) त्रिषडायाधिपति

### भाग-II (दशा व गोचर)

6. विंशोत्तरी दशा प्रणाली क्या है व इसके सामान्य नियम बताइये।
7. योगिनी दशा व जन्म पर शेष दशा गणना की विधि बताएं। इसकी प्रश्न 4 के लिए गणना करें।
8. (क) सप्त शलाका चक्र के नियम व महत्त्व बताएं।  
(ख) अष्टम, अर्धाष्टम व जन्म शनि पर विवेचना लिखें।
9. मन्द गति से चलने वाले ग्रहों को गोचर में क्यों महत्त्व दिया जाता है? बृहस्पति एवं शनि के गोचर का फलित में क्या उपयोग है।
10. निम्न का उत्तर दें :-  
(क) अंतर दशा के फलित में क्या नियम हैं?  
(ख) बृहस्पति महादशा में सभी ग्रहों की अन्तर दशा के क्या सामान्य फल हैं?

# भारतीय ज्योतिष विज्ञान परिषद् (पंजी0) चेन्नई

ज्योतिष प्रवीण परीक्षा : दिसम्बर 2011

## प्रश्न पत्र-IV

समय : 3 घण्टे

कुल अंक : 50

कोई भी पाँच प्रश्न हल करें। प्रश्न 1 तथा 6 अनिवार्य हैं। दोनों भागों में से कम से कम एक-एक प्रश्न का चयन करते हुए तीन अन्य प्रश्नों के उत्तर दें। सब प्रश्नों के अंक समान हैं।

### भाग-I (ताजिक शास्त्र)

- 07 जुलाई 1981 मंगलवार को 19:05 बजे रांची में जन्में जातक के लिए वर्ष 2011-12 के लिए वर्ष फल बनाएँ।
- वर्षेश चयन करने की प्रक्रिया का वर्णन करें।  
नीचे दिए वर्ष फल का वर्षेश  
लग्न-मकर 2:31, सूर्य-धनु 06:07, चन्द्र-मिथुन 16:09, मंगल-धनु 16:44,  
बुध-धनु 1:13, बृहस्पति-मीन 1:20, शुक्र-तुला 20:33, रानि-कन्या 22:07,  
राहु-धनु 8:43  
पंचवर्गीय बल-सूर्य 5.93, चन्द्रमा-7.55, मंगल-9.48, बुध 8.51,  
बृहस्पति-11.88, शुक्र-12.22, रानि 7.98  
पंचाधिकारी : मुन्था स्वामी-बुध, जन्म लग्नेश-मंगल, त्रिराशिपति-मंगल,  
दिनरात्रिपति-बृहस्पति, जन्मतिथि-21.12.1972, समय-14.35 बजे  
स्थान-जम्मालमगुडु (आ.प्र.) वर्ष फल 38 वे वर्ष के लिए।
- उपयुक्त उदाहरण के साथ तीन प्रकार के इत्थसाल योग की व्याख्या करें।
- निम्नलिखित की गणना करने के लिए समीकरण का वर्णन करें।  
(क) पुण्य सहम-सामान्य शुभता (ख) यश सहम-प्रसिद्धि  
(ग) सामर्थ्य सहम-क्षमता (घ) देशान्तर सहम-विदेश भ्रमण  
उपरोक्त की गणना प्रश्न क्रमांक 2 के लिए करें।
- संक्षिप्त टिप्पणी लिखें  
(क) दीप्तांश सीमाएं (ख) मुन्था का महत्व  
(ग) रद्व योग (घ) ग्रह दृष्टि

### भाग-II (मुहूर्त)

- विवाह मुहूर्त तय करते समय ध्यान देने योग्य महत्वपूर्ण तथ्यों की व्याख्या करें।
- उत्तर दें :-  
(क) मुहूर्त में जन्मराशि तथा जन्म नक्षत्र के महत्व का वर्णन करें।  
(ख) नक्षत्रों के वर्गीकरण की व्याख्या करें।
- भद्रा से आप क्या समझते हैं? क्या यह शुभ कार्यों के लिए उपयुक्त है? व्याख्या करें।
- व्याख्या करें :-  
(क) पंचांग शुद्धि (ख) अभिजित मुहूर्त और अभिजित नक्षत्र  
(ग) कुम्भ चक्र और कलश चक्र शुद्धि  
(घ) तिथि पंचक की गणना
- मुहूर्त में एकाविंशति महादोष से आप क्या समझते हैं? इसके निवारण की विधि बताएं।